

को पार्लियामेंट में न उठाये। (व्यवधान) कोन किस को किस तरफ लाने की कोशिश कर रहा है, इसको पार्लियामेंट में उठाने की क्या जरूरत है ? (व्यवधान)

SHRI RANGA (Srikakulam) : While the House is in session and even otherwise, is it proper—it is a question for you as well as for this House—for ministers to go round and pressurize people and use their influence, apart from their regular official work ? It can be urged. One minister has gone there.

DR. RAM SUBHAG SINGH : Last time when we said about the Defence Ministry planes, you asked us to submit a concrete case. The case was submitted but no reply has yet been received. Now, here is a telegram saying that five Harijan and Backward Classes Members were being pressurized by three ministers.

MR. SPEAKER : I am sorry. Such organisational quarrels should not be brought in Parliament.

DR. RAM SUBHAG SINGH : It has become the habit of ministers and we will have to take note of it... (*Interruption*)

Re : MEETING OF CERTAIN OFFICERS OF FINANCE MINISTRY WITH SHRI T. T. KRISHNAMACHARI

प्रध्यक्ष महोदय : उस दिन मिस्टर सेठी ने यहां स्टेटमेंट दिया था। तो मेरे पास चैम्बर में कुछ एतराज हुआ था कि मिनिस्टर के स्टेटमेंट के बाद डिबेट एलाउड है या नहीं है और उस के बाद दूसरे मिनिस्टर या प्राइम मिनिस्टर को जवाब देने के लिये बुलाया जा सकता है या नहीं बुलाया जा सकता है तो मैंने उस पर क्लियर नहीं दी थी कोई भी। मैंने कहा कि क्लस इस पर है लेकिन मुझे बैकग्राउंड का पता नहीं है। मैं चैयरमैन से अपने चैम्बर में बुला कर बात करूंगा। तो मैंने उन से बात की थी, श्री प्रकाशवीर शास्त्री जी से। उस में ऐसा हुआ कि एक तो मोशन था फार सस्पेंशन आफ दि क्लस, दूसरा मोशन था फार डिस्कशन। तो

बजाय इस के कि तीनों इकट्ठा चलते श्री प्रकाश वीर शास्त्री जी ने मेरे नोटिस में लाने की कोशिश की, मैं समझता हूँ कि जब तीनों नोटिस इकट्ठा थे तो बजाय इस के कि तीनों लेने के उन्होंने एक के ऊपर क्वेश्चन्स पूछने की इजाजत दे दी और जब कि एतराज यह था कि प्राइम मिनिस्टर को स्टेटमेंट देना चाहिये था बजाय किसी मिनिस्टर के और उसके लिये मोशन था तो ग्रैंडर दोज सरकिमिस्टासेज जिस तरह से यह मोशन आये थे, मुझे तो उन का पता नहीं था, तो जो भी उन्होंने बात की वह ठीक ही की थी कि उसमें जितने ज्यादा से ज्यादा सवाल हो सकते थे उसकी इजाजत उन्होंने दे दी और प्राइम मिनिस्टर को जवाब देना चाहिये था वह ठीक ही था और दूसरे मोशन जो दोनों थे वह अलाहिदा डिस्कस होने चाहिये थे, वह ठीक ही किया। इस लिये मैं चाहता हूँ कि इस तरह की गलतफहमी न हो और उन्होंने जो भी प्रोसीजर अस्त्यार किया था वह ठीक ही था।

12.52 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Report of Enquiry Committee on Film Censorship

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING, AND COMMUNICATIONS (SHRI SATYA NARAYAN SINHA) : Sir, I beg to lay on the Table a copy of the Report of the Enquiry Committee on Film Censorship. [*Placed in Library. See No. LT—2270/69*]

Tenders accepted by India Supply Missions at London and Washington

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI P. C. SETHI) : Sir, on behalf of Shri R. K. Khadilkar, I beg to lay on the Table a statement of cases in which lowest tenders have not been accepted by the India Supply Mission, London and India Supply Mission, Washington, for the half year ending the 30th June, 1969. [*Placed in Library. See No. LT—2271/69.*]